जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

23 जुलाई 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने किया शताब्दी वर्ष दीक्षांत समारोह का आयोजन

- वाइस चांसलर प्रो. नजमा अख्तर के प्रयास से जामिया को मिली मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की अनुमति

NAAC से A++ ग्रेड मान्यता प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 2019 और 2020 के छात्रों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान करने के लिए आज विज्ञान भवन और विश्वविद्यालय परिसर में अपने भव्य शताब्दी वर्ष दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इन दो वर्षों में लगभग बारह हजार पांच सौ छात्र उत्तीर्ण हुए, जिनमें लगभग 800 स्वर्ण पदक विजेता और पीएच.डी. डिग्री हासिल करने वाले शामिल हैं।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री जगदीप धनखड़ दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे, माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने विज्ञान भवन में समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने कुछ सफल अभ्यर्थियों को पीएच.डी. डिग्री और स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस अवसर पर सेकण्ड लेडी ऑफ़ द कंट्री डॉ. सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं।

मुख्य अतिथि, माननीय शिक्षा मंत्री और अन्य अतिथियों का स्वागत करने के बाद, जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर (पद्मश्री) ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की और सभा को संबोधित किया। उन्होंने यह घोषणा करके दर्शकों को सुखद आश्चर्य दिया कि जामिया को एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिल गई है, जो उनका और जामिया बिरादरी का लंबे समय से सपना था। इस घोषणा की जामिया संकाय, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, स्वर्ण पदक विजेताओं और पीएच.डी. प्राप्तकर्ताओं सहित दर्शकों ने जोरदार सराहना की।

प्रो. अख्तर ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सभी समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे जामिया को नई ऊंचाइयां हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, “मैं हमारे प्रबुद्ध प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रगतिशील नेतृत्व के तहत काम करने पर अपने आप को भाग्यशाली महसूस करती हूं। उनके निरंतर और मजबूत समर्थन के कारण ही हम उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ने और असाधारण प्रगति हासिल करने में सक्षम हैं।''

अपने संबोधन में, कुलपति ने पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों और 'ब्रांड जामिया' को और मजबूत करने की भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने घोषणा की कि जामिया मध्य-पूर्व और अन्य देशों में विदेशी परिसर खोलने की संभावनाएं तलाश रहा है और दुनिया भर में अपने पूर्व छात्रों के साथ अपने संपर्क को मजबूत करना चाहता है।

माननीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने दीक्षांत समारोह के लिए सभी छात्रों और जामिया बिरादरी को बधाई दी। उन्होंने छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि

जामिया जैसे संस्थान बौद्धिक नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं और अमृतकाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। "आज, जब पूरी दुनिया भारत और इसकी व्यवस्था की ओर देख रही है, मुझे उम्मीद है कि जामिया NEP की आवश्यकताओं के अनुसार वैश्विक मानवता का विकास करेगा जो अंततः पश्चिमी दुनिया और वैश्विक दक्षिण के बीच असमानता को कम करेगा।"

जामिया में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना पर श्री प्रधान ने कहा कि जामिया सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज शुरू नहीं करेगा बल्कि हमें दुनिया के जटिल चिकित्सा मुद्दों को हल करने के लिए जामिया को एक शहरी अनुसंधान केंद्र बनाने का प्रयास करना चाहिए।

माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने छात्रों से कहा, “आपने अपनी डिग्रियां हासिल कर ली हैं, लेकिन सीखना जीवन भर की प्रक्रिया है। आपने शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्राप्त कर लिया है और अब आपको इस ज्ञान का समझदारी से उपयोग करना होगा।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा, “घुमावदार नदी की तरह बनें, अपना रास्ता खुद चुनें और अपने रुझान और योग्यता के अनुसार कार्य करें। जब बात आपके अपने विचार की हो तो कभी भी अपने आप को हुक्म चलाने की अनुमति न दें।” उन्होंने यह भी कहा कि 2047 के योद्धाओं के रूप में, आपको अपने मातृ संस्थान द्वारा दी गई अंतर्दृष्टि का राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए उपयोग करना चाहिए।

शाम को विश्वविद्यालय के डॉ. एम.ए. अंसारी सभागार में एक 'स्वर्ण पदक वितरण समारोह' आयोजित किया गया, जहां दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने टॉपर्स को स्वर्ण पदक प्रदान किए। इससे पहले माननीय कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने उनका औपचारिक स्वागत किया।

माननीय उपराज्यपाल ने स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और उन्हें निस्वार्थ समर्पण के साथ समुदाय और राष्ट्र की सेवा करने के लिए जामिया के महान संस्थापकों का सच्चा आदर्श बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रोफेसर नजमा अख्तर के नेतृत्व में जामिया की हालिया उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों के शानदार योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने राष्ट्र के अनूठे विकास के लिए जामिया के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जामिया और राष्ट्र द्वारा परवरिश प्राप्त इन युवाओं को अपनी मातृ संस्था और राष्ट्र की विरासत को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभानी है।

जामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर नाज़िम हुसैन जाफरी के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया